# ATOMIC ENERGY EDUCATION SOCIETY
## Academic Unit

Dear Parents,

**Greetings from Atomic Energy Education Society**

You have trusted and entrusted AEES with the Education of your children and AEES will keep no stone unturned to see to it that the objectives are achieved and fulfilled against all odds. We solicit wholehearted support and participation from the parents, whenever necessary. After all, this is needed for the future progress of your children, as well as our great Nation.

In the wake of the pandemic conditions in the country, as well as the world, we have introduced Distance Education for the students. To enable teachers and the students to interact with each other, we have introduced the one to one interactive distance teaching, in addition to video and audio downloads which could be saved for future references. The Local Managing Committees have fully supported us.

Had we not started these online classes, our children would have been deprived of formal learning for a long period of time. As we anticipate, the mode of distance education will be with us to stay,for quite some time, and we all - parents, students and teachers - have to get adapted to it. Even after resumption of formal classroom teaching, we intend to continue with this mode as an integral part of the teaching, may be as an addition/supplement measure, so as to be abreast of the technology that has enabled this.

Teachers of AEES have taken proactive role in preparing the contents for the secondary and the senior secondary classes, to meet the requirements of the students. With the utilization of technology, the system of online classes is at a good stage of progress, because of the cooperation and support of parents. To bring more objectivity and seriousness to the teaching efforts, we intend to introduce formal evaluation of the students, too, after a suitable methodology and protocol have been decided upon.

To make our efforts towards distance education really successful, we request the parents and adults at home to strive and impart positive motivation to their wards by supporting the following.

1. Please create a solemn environment at home such that the children can concentrate and it will be apt if the children are formally dressed and the background, too, is conducive since there will be full visibility during the interaction of students with teachers.

2. The children may be encouraged to download, save and study the lessons prepared by their teachers, from AEES website, as well as the corresponding NCERT lessons and text books.

3. The homes where there are more students than one, the parents have to judiciously manage the shared deployment of smart gadgets like smartphones, laptops and desktop computers.

4.The possibility of providing simple laptop/desktop computers to the children may be sincerely explored, since distance education could becomea regular feature in future, and also choose suitable data plans, of which there are many, to facilitate good internet connectivity.

5. Ensure and Encourage regular attendance to the teacher interaction sessions.

6. Formal evaluation of the students is being contemplated at this juncture, for the progress of the teaching-learning process, for which AEES will introduce asuitable digital platform to fulfil the sanctity and integrity of the Examination System.

7. AEES regrets to state that individual suggestions, from parents, regarding teaching and evaluation procedures cannot be given due weightage to, if they are merely conveyed to the Central Office of AEES- A better methodology will be to intimate the same to the school Principals and/or Vice Principals-in charge, who are in regular touch with each other to plan and let the distance teaching/evaluation efforts have a smooth sailing.

Stay Safe and All the Best

Krishna Sarma K J V V

Principal & Head, Academic Unit, AEES

Scanned with CamScanner

15

Re

# परमाणु ऊर्जा शिक्षा संस्था।
## शैक्षणिक इकाई

प्रिय अभिभावक/माता-पिता,

## परमाणु ऊर्जा शिक्षा संस्थाकी ओर से अभिनंदन

बच्चों की शिक्षा के लिए आपने परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्थान पर भरोसा किया और उन्हें हमें सौंपा है। परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था तमाम बाधाओं को दूर करते हुए उद्देश्योंस की प्राप्ति और पूर्ति में कोई कसर नहीं रखेगा। यथाआवश्यरक आपके पूर्ण समर्थन और भागीदारी के लिए हम आग्रह करते हैं। आखिर, यह आपके बच्चों और हमारे महान राष्ट्रहकी भावी प्रगति के लिए आवश्यक है।

देश और दुनिया में महामारी स्थिति के मद्देनजर, हमने विद्यार्थियों के लिए दूरस्थ शिक्षा की शुरुआत की है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच परस्पगर संवाद बनाये रखने के लिए हमने विडियो और ऑडियो डाउनलोड जो कि भविष्यं के लिए सुरक्षित रखे जा सकते हैं, के अलावा वन-टू-वन संवादात्मसदूरस्थ शिक्षा आरंभ की है। इस पहल में स्थानीय प्रबंध समितियों से हमें पूर्ण समर्थन मिल रहा है।

यदि हमने इन ऑनलाइन कक्षाओं को शुरू नहीं किया होता, तो हमारे बच्चे लंबे समय तक औपचारिक शिक्षण से वंचित रह जाते। जैसा कि हमारा अनुमान है, दूरस्थ शिक्षा प्रणाली हमारे साथ कुछ लंबे समय तक रह सकती है, और हम सभी- माता-पिता, विद्यार्थियों और शिक्षकों को इसके अनुकूल होना आवश्यैकता है। औपचारिक कक्षा एं फिर से शुरू करने के बाद भी , हम इस प्रणाली को शिक्षण के अभिन्न अंग - एक अतिरिक्तक/पूरक उपाय के रूप मेंजारी रखने के इच्छुरक्हैं, ताकि इसको सक्षम करने वाली तकनीक के साथ चल सकें।

परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था के शिक्षकों ने विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए माध्यमिक और उच्चोतर माध्यमिक कक्षाओं के लिए शिक्षण सामग्री तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाई है। माता-पिता के सहयोग और समर्थन से प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ ऑनलाइन कक्षा प्रणाली प्रगति के एक अच्छे चरण में है। शिक्षण प्रयासों में अधिक वस्तुहनिष्ठ ताऔर गंभीरता लाने के लिए , एक समुचित कार्यप्रणाली और प्रोटोकॉल का चयन होने के बाद हम विद्यार्थियों का औपचारिक मूल्यांकन भी शुरू करने के इच्छुतक्हैं।

दूरस्थ शिक्षा की दिशा में अपने प्रयासों को वास्त विक रूप में सफल बनाने के लिए हम, माता-पिता ओं/अभिभावकों और घर के जिम्मे दार व्यंक्तियोंसे अनुरोध करते हैं कि वे निम्नलिखित का समर्थन करके अपने बच्चोंठ के लिए सकारात्मक प्रेरणा सृजित और प्रदान करें।

1. कृपया घर पर ऐसा सकारात्मयक्माहौल बनाएं जिससे बच्चेि अध्ययपन पध्यान केंद्रित कर सकें, उपयुक्त होगा यदि बच्चों को औपचारिक रूप से कपड़े पहनाए जाएं और पृष्ठभूमि भी अनुकूल हो, क्योंकि शिक्षक-विद्यार्थी संवाद के दौरान पूर्ण दृश्यता होगी।
2. बच्चों को अपने शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए पाठों को परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था की वेबसाइट और संबंधित एन.सी.ई.आर.टी. पाठों व पाठ्य पुस्तचकों कोडाउनलोड करने, सहेजने और उनका अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।
3. जिन घरों में एक से अधिक विद्यार्थी होते हैं, माता-पिता स्मार्टफोन, लैपटॉप और डेस्कटॉप कंप्यूटर जैसे स्मार्ट गैजेट्स की बच्चोंठ के बीच उपयोग साझेदारी का विवेकपूर्ण प्रबंधन करें।
4. बच्चों को सरल लैपटॉप / डेस्कटॉप कंप्यूटर प्रदान करने की संभावना को ईमानदारी से पता लगाया जा सकता है, क्योंकि दूरस्थ शिक्षा भविष्य में एक अनिवार्य सुविधा हो सकती है, और अच्छी इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए उपलब्ध उपयुक्त डेटा प्लान भी चुनें।
5. शिक्षक संवाद सत्रों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित और प्रोत्साहित करना।
6. इन परिस्थितियों में अध्योयन-अध्यानपप्रक्रिया की प्रगति के लिए विद्यार्थियों के औपचारिक मूल्यांकन पर भी विचार किया जा रहा है, इस क्रम में परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्थाय परीक्षप्रणाली की समग्रता और सत्यरनिष्ठटतपूरा करने के लिए एक उचित डिजिटल मंच पेश करेगी।
7. परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्थाा को यहृताते हुए खेद है कि शिक्षण और मूल्यांकन प्रक्रियाओं के बारे में माता-पिता के व्यक्तिगत सुझाव, यदि केवल परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था् के केंद्रीय कार्यालय में भेजे जाते हैं, तो उन पर विचार नहीं किया जायेगा- इसके लिए बेहतर प्रक्रिया है कि अपने सुझाव विद्यालय प्रधानाचार्यों और/या उप-प्रधानाचार्य-प्रभारियों को भेजें, जो दूरस्थ शिक्षा/मूल्यां कन प्रयासों की योजना और सुचारू संचालन के लए एक दूसरे के नियमित संपर्क में हैं।

स्वास्थ रहेंसुरक्षित रहें।
शुभकामनाओं सहित।

कृष्णा शर्मा के.जे.वी.वी.
प्रधानाचार्य एवं प्रमुख, शैक्षणिक इकाई, परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्थाि

Scanned with CamScanner